राज्यपाल सचिवालय
राजभवन, जयपुर

ज.रा.रा.संस्कृत विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह

संस्कृत की नवीनता व वैज्ञानिकता को पहचानें – राज्यपाल

जयपुर, 16 दिसम्बर। राजस्थान के राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री कल्याण सिंह ने कहा है कि पूर्वाग्रहों को दूर कर संस्कृत में विशालता से निहित नवीनता और वैज्ञानिकता को पहचानें। उन्होंने कहा कि पश्चिम में संस्कृत की वैज्ञानिकता को गम्भीरता से लिया है और इंग्लैण्ड व अमेरिका में वैदिक गणित को शिक्षा के पाठ्यक्रम का अंग बना दिया गया है।

राज्यपाल श्री सिंह शुक्रवार को यहां जगद्गुरू रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय के दूसरे दीक्षांत समारोह को सम्बान्धित कर रहे थे। इस मौके पर राज्यपाल ने छात्र व छात्राओं को उपाधि व स्वर्ण पदक प्रदान किये। राज्यपाल श्री सिंह ने कहा कि संस्कृत धर्मग्रंथों एवं पूजा–पाठ की कठिन भाषा है, रोजगारपरक नही है, इसका विज्ञान के साथ तालमेल नही है, इन सभी पूर्वाग्रहों को संस्कृत से दूर करना जरूरी है। उन्होंने संस्कृत के विद्वानो का आव्हान किया कि वे लोगों को संस्कृत की सरलता व वैज्ञानिकता के बारे में समझायें ताकि समाज संस्कृत से लाभान्वित हो सके।

राज्यपाल ने कहा कि ब्रिटेन व जापान के विद्यालयों में संस्कृत को इसलिए अनिवार्य किया गया कि संस्कृत गणित के बाद कम्प्यूटर की सबसे उपयुक्त भाषा है। संस्कृत का इस्तेमाल वाच्य संशोधन में भी प्रमुखता से होने लगा है। अमेरिका अन्तरिक्ष एजेन्सी नासा में संस्कृत भाषा की एक पखवाड़े की कक्षाएं अनिवार्य रूप से लग रही हैं। कुलाधिपति श्री सिंह ने कहा कि कर्नाटक के ' मट्टूर ' के ग्रामवासी संस्कृत भाषा में बात करते हैं। शत–प्रतिशत बात–चीत करने वाला देश का यह एकमात्र गांव है, जबकि वहां के प्रत्येक परिवार का एक सदस्य सूचना तकनीक का विशेषज्ञ भी है। राज्यपाल ने कहा कि संस्कृत व विज्ञान के समावेश का मट्टूर देश में नजीर बन गया है। उन्होंने कहा कि संस्कृत विश्वविद्यालय का दल वहां जाये और उस गांव का अध्ययन करे। श्री सिंह ने कहा कि यह शोध का विषय है।

राज्यपाल ने छात्र एवं छात्राओं से कहा कि '' विश्वविद्यालय की परीक्षा तो आप लोगों ने उत्तीर्ण कर ली है, लेकिन विश्व की परीक्षा उत्तीर्ण करना शेष है। दुनिया की परीक्षा अभी आपको देनी है, उसकी तैयारी करो। याद रखो कि यह देश हमारा है। इसका निर्माण हमें ही करना है। इसलिए हमें अपनी प्रतिभा का निरन्तर विकास करना होगा ताकि देश के विकास में भागीदारी निभा सके। ''

इस अवसर पर उच्च शिक्षा मंत्री श्रीमती किरण माहेश्वरी ने कहा कि संस्कृत में राजस्थान अग्रणी है। यहां संस्कृत के विद्यालयों व महाविद्यालयों के संचालन के लिए निदेशालय भी है। उन्होंने कहा कि समग्र जीवन को ढालने का सांचा शिक्षा में ही है और राज्य सरकार शिक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

विश्वविद्यालय के कुलपति श्री विनोद कुमार शर्मा ने स्वागत उद्बोधन में विश्वविद्यालय की प्रगति की रूपरेखा बताई। समारोह में संसदीय सचिव श्री कैलाश वर्मा, विधायक श्री लक्ष्मी नारायण बैरवा, संस्कृत शिक्षा के प्रमुख सचिव श्री संजय दीक्षित व डॉ. अजय शंकर पाण्डेय मौजूद थे। विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री महेश नारायण शर्मा ने आभार ज्ञापित किया।

– – –